>

Title: Regarding erosion caused by river Ganga in Ghazipur district of Uttar Pradesh.

श्री राधे मोहन सिंह (गाज़ीपुर): अध्यक्ष महोदया, आप यहां से बोलने के लिए कृपया मुझे अनुमति प्रदान करें, धन्यवाद।

महोदया, मैं लोक महत्व के अति महत्वपूर्ण विषय की ओर इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मैं गंगा कटान के संबंध में आपको अवगत कराना चाहता हूं कि एक तरफ गंगा जहां हमारी मां है, हमारी संस्कृति है, हमारी सभ्यता है और हमारे विकास का द्योतक है, मैं वहीं पर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के सर्वाधिक पिछड़े जिले गाजीपुर की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। जो गाजीपुर गंगा कटान से सर्वाधिक प्रभावित जिला है, उस जिले के कई जगहों पर गंगा के कटान की वजह से आम आदमी का जीवन इतना खराब हो गया है कि यह देखकर जब स्वप्न में उसे इस बात का एहसास हो जाता है कि बगल में ही गंगा है और धीरे धीरे उनके खेत विलुप्त होते जा रहे हैं। 10 से 15 फीट तक आबादी का निवास है। बाढ़ के समय जब हम ग्रामीण भ्रमण के लिए निकलते हैं तो इस बात के अहसास से इतना अफसोस होता है कि किस तरह लोग अपना जीवन यापन कर रहे हैं। हमने इस संबंध में गाजीपुर जिला अधिकारी को पत्र के माध्यम से ज्ञात कराया कि यहां आम आदमी का जीवन जिस तरह से चल रहा है, इसे ठीक करने का प्रबंध किया जाए क्योंकि कहीं किसी दिन ऐसा न हो कि गंगा के कटान से गांव के साथ तमाम जनता विलुप्त हो जाए। इस संबंध में जो पत्र आया वह इतना हास्यस्पद है और जले पर मिर्च की तरह काम करता है। इसमें लिखा गया कि सरकार यह देखती है कि क्षति किसकी ज्यादा होगी, जहां कटान हो रहा है, कटान को रोकने में ज्यादा लागत आएगी या उस जनसंख्या को शिफ्ट करनेकी ज्यादा लागत आएगी।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि एक तरफ समुद्र में पुल बनाया जा रहा है, समुद्र के अंदर कार्य हो रहा है और दूसरी तरफ जनहित की अनदेखी करके प्रयास किया जाता है और लोगों को शिफ्ट करने की बात कही जाती है। पूर्वांचल में गाजीपुर में ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वांचल सबसे बड़ा उद्योग खेती ही है। यहां न कोई मिल है और न ही कोई फैक्ट्री है। मैं आपका ध्यान ब्लाक करंडा में सेवरा, रसयापुरा, बच्चा का पूरा, सरायमोहम्मदपुर, क्यपुर, सोकनी, तुलसीपुर, मोहबलपुर की तरफ दिलाता हूं। गंगा के कटान से औडियार जंक्शन और देवकली जो एक बड़ा पंप है, खतरे में है। उत्तर प्रदेश के दो- तीन पंप लिफ्ट कैनाल में भी एक कैनाल ये है, अगर गंगा के कटान से निश्चित रूप से इस तरह की स्थिति बनेगी तो यह ध्वस्त हो सकता है। केंद्र सरकार 75 प्रतिशत और 25 प्रतिशत उत्तर प्रदेश सरकार फंड देती है, उसके आधार पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी ने अपनी इच्छा जाहिर की थी कि केंद्र सरकार इस मामले में मदद करे क्योंकि हम सारे कार्यों को पूरा चाहते हैं।

श्री पन्ना लाल पुनिया: महोदया, मैं अपने आपको राधे मोहन सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करता हूं।